क्रोनी कैपिटलिज़्म

प्रलिमि्स के लयि:

क्रोनी कैपिटलिज़्म, संसदीय समति, भारत का मुख्य न्यायाधीश (CJI), सकल घरेलू उत्पाद (GDP), भ्रष्टाचार वरिोधी कानून, कॉर्पोरेट सामाजकि उत्तरदायत्वि,

मेन्स के लयि:

क्रोनी कैपिटलिज़्म से संबद्ध मुद्दे, क्रोनी कैपिटलिज़्म को संबोधति करने के उपाय।

चर्चा में क्यों?

अडानी-हडिनबर्ग (Adani-Hindenburg) मुद्दे पर संसद में वपिक्ष द्वारा क्रोनी कैपिटलिज़्म का आरोप लगाते हुए संयुक्तसंसदीय समति या भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) द्वारा नामति समति द्वारा जाँच की मांग की जा रही है।

क्रोनी कैपिटलिज़्म

- **परचिय:**
  - **क्रोनी कैपिटलिज़्म** एक ऐसा शब्द है **जसिका इस्तेमाल पूंजीवादी आर्थकि व्यवस्था का वर्णन करने के लयि कयिा जाता है जसिमें राजनेताओं और सरकारी अधकिारयिों के साथ करीबी संबंध रखने वाले व्यक्ति या व्यवसाय बाज़ार** में अनुचति लाभ हासलि करने के लयि अपने राजनीतकि संबंधों का उपयोग करते हैं।
  - द इकोनॉमस्टि इंडयिा द्वारा प्रकाशति क्रोनी कैपिटलिज़्म इंडेक्स 2021 में 7वें स्थान पर था, जहाँ देश के**सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में क्रोनी सेक्टर की संपत्ति 8% थी।
- **क्रोनी कैपिटलिज़्म से संबंधति मुद्दे:**
  - **मार्केटप्लेस में अनुचति लाभ:** क्रोनी कैपिटलिज़्म भ्रष्टाचार को जन्म दे सकता है क्योंकि व्यवसाय अक्सर सरकारी अधकिारयिों को रश्वित देकर बाज़ार में अनुचति लाभ प्राप्त करने के लयि अपने राजनीतकि संबंधों का उपयोग करते हैं।
    - यह कानून के शासन को कमज़ोर करने की साथ ही सरकारी संस्थानों में जनता के वश्विास को खत्म कर सकता है।
  - **वकि्रत बाज़ार प्रतस्पिर्द्धा:** जब कुछ व्यवसायों को उनके राजनीतकि संबंधों के माध्यम से अनुचति लाभ दयिा जाता है, तो यह बाज़ार की **प्रतस्पिर्द्धा को वकि्रत कर** देता है और छोटे व्यवसायों एवं उद्यमयिों के लयि सफलता प्राप्त करना कठनि हो जाता है।
    - **इससे कुछ व्यक्तयिों या नगिमों के हाथों में धन और शक्ति का संकेद्रण हो सकता है।**
  - **नवाचार में गरिावट:** बड़े व्यवसायों की प्रमुख स्थति अक्सर प्रतस्पिर्द्धा को खत्म कर देती है और उन्हें अपने उत्पादों/सेवाओं को आगे **बढ़ाने या सुधारने के लयि हतोत्साहति करती है।**
    - **यह समग्र अर्थव्यवस्था में नवाचार को खत्म सकता है और प्रतस्पिर्द्धात्मकता में गरिावट ला सकता है।**
  - **सरकार और अर्थव्यवस्था के प्रति जनता में अवश्विास:** व्यापक रूप से क्रोनी कैपिटलिज़्म सरकारी संस्थानों और **आर्थकि व्यवस्था में जनता के वश्विास को कम कर सकता** है।
    - इससे नीति नरि्माताओं के लयि सुधारों को लागू करना और व्यवसायों को प्रभावी ढंग से संचालति करना मुश्कलि हो सकता है।

भारत द्वारा क्रोनी कैपिटलिज़्म से संबंधति मुद्दों का समाधान:

- **पारदर्शति और जवाबदेही में सुधार:** भारत ओपन डेटा पहल, नयिामक एजेंसयिों की स्वतंत्रता में वृद्धि और**सरकारी अनुबंधों एवं सब्सडिी की पारदर्शति** में सुधार जैसे **उपायों को लागू करके अपनी राजनीतकि तथा आर्थकि प्रणालयिों में पारदर्शति व जवाबदेही में सुधार कर सकता है।**
- **प्रतस्पिर्द्धा को बढ़ावा देना:** भारत छोटे व्यवसायों और उद्यमयिों के लयि प्रवेश की बाधाओं को कम करके प्रतस्पिर्द्धा को प्रोत्साहति कर सकता है, जैसे कि **लालफीताशाही को कम करना एवं नयिमों को सुव्यवस्थति करना।**
- इससे नए प्रवेशकों के लयि स्थापति व्यवसायों के साथ प्रतस्पिर्द्धा करना और**कुछ व्यक्तयिों अथवा नगिमों के हाथों में धन एवं शक्ति के**

केंद्रीकरण को कम करना आसान हो सकता है।

- **कॉर्पोरेट नैतिक उत्तरदायित्व की ओर:** भारत यह सुनिश्चित करने के उपायों को लागू करके ज़मींदार व्यवसाय प्रथाओं को बढ़ावा दे सकता है **कि कोई भी व्यवसाय** [कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व](#) **और स्थिरता संबंधी पहलों के अनुसार नैतिक तथा स्थायी रूप से कार्य करें।**
- **इससे आर्थिक व्यवस्था में जनता के विश्वास में वृद्धि हो सकती है** और यह व्यवसायों को समग्र रूप से समाज के सर्वोत्तम हित में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है।
- **ज़मींदार राजनीतिक व्यवहार को प्रोत्साहित करना:** भारत **राजनीतिक चंदा/दान और पैरवी गतिविधियों की पारदर्शिता बढ़ाकर ज़मींदार राजनीतिक व्यवहार को बढ़ावा दे सकता है।**
- इससे भ्रष्टाचार में कमी आ सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि निर्वाचित अधिकारियों को उनके कार्यों के लिये जवाबदेह ठहराया जाए।

[स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/crony-capitalism